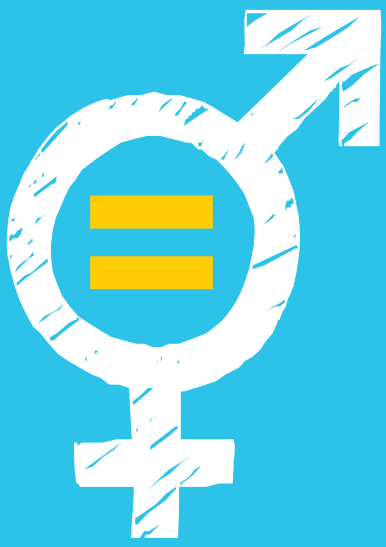

जेंडर रेस्पोंसिव बजटिंग

अक्सर - पूछे जाने वाले सवाल

Towards a new dawn

UN WOMEN

ADB

JFPR
Japan Fund for Prosperous and Resilient Asia and the Pacific

From the People of Japan

जेंडर रेस्पोंसिव बजटिंग: अक्सर - पूछे जाने वाले सवाल

कॉपीराइट @ यूनाइटेड नेशन्स एंटिटी फॉर जेंडर इक्वलिटी एंड एम्पोवेर्मेंट ऑफ़ वीमेन (यू.एन.वीमेन)

संयुक्त राष्ट्र जेंडर समानता एवं महिला सशक्तिकरण हेतु इकाई को यू.एन.वीमेन के नाम से जाना जाता है, जो की स्वतंत्र अस्तित्व वाली संस्था जेंडर समानता एवं महिला सशक्तिकरण के कार्य को समर्पित है | विश्व भर में प्रसिद्ध इस संस्था का गठन समस्त दुनिया भर की महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकार और उनकी ज़रूरतों की पूर्ती में गति देने के लिए किया गया है |

सर्वाधिकार सुरक्षित | शिक्षा एवं गैर व्यवसायिक उद्देश्यों की पूर्ती के लिए इस सामग्री के उपयोग की अनुमति है बशर्ते यू.एन.वीमेन को इस की जानकारी हो व स्रोत की सूचना भली भाँती दी जाये। इस पब्लिकेशन का प्रोडक्शन क्रय व अन्य किसी व्यावसायिक उद्देश्य आदि हेतु प्रयोग में लाना निषिद्ध है बिना यूएन वीमेन की अनुमति के |

अनुमति के आवेदन की सुनवाई हेतु: *registry.india@unwomen.org*

यह पुस्तिका 'एडवांसिंग जेंडर बजटिंग इन सेलेक्ट स्टेट्स इन इंडिया' नमक प्रोग्राम के तहत लिखी गयी है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत जेंडर बजटिंग के विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर एवं चार प्रदेशों में (आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और मणिपुर) तकनिकी सहायता प्रदान की गयी है । यह तकनिकी सहायता महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के मार्गदर्शन में, एशियन डेवलपमेंट बैंक एवं जापान फण्ड फॉर प्रोस्पेरोउस एंड रेसिलिएंट एशिया एंड द पसिफ़िक के सहयोग से, राज्य सरकारों और यू.एन. वीमेन द्वारा २०२०-२०२३ में क्रियान्वित किया गया ।

यू.एन वीमेन
कार्यालय भारत :

पता: यू एन हाउस, *55*, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली,110003
दूरभाष: *011 4653 2250*
वेबसाईट: https://asiapacific.unwomen.org/en/countries/india

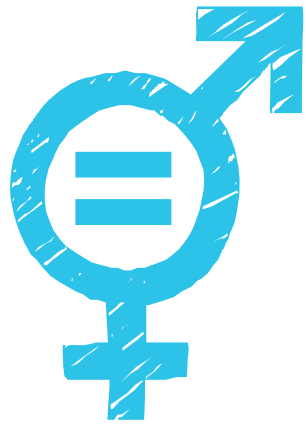

जेंडर रेस्पोंसिव बजटिंग

अक्सर - पूछे जाने वाले सवाल

1 | क्या है जेंडर उत्तरदायी बजटिंग (जी.आर.बी)?

बजट सरकार की सामाजिक और आर्थिक योजनाओं और प्राथमिकताओं का सबसे व्यापक विवरण होता है, जो बताता है कि अर्थव्यवस्था में धन कहाँ से आता है और कहाँ खर्च होता है | बजट संबंधी निर्णय यह निर्धारित करते हैं कि सार्वजनिक धन कैसे जुटाया जाता है, उनका उपयोग कैसे किया जाता है और उनसे किसे लाभ होता है।

सरकार की प्रतिबद्धताओं की पूर्ती के लिए, योजना और बजट-निर्माण में एक जेंडर परिप्रेक्ष्य को शामिल करने से बजट समग्र बनता है - एक ऐसा बजट जो सभी की, खासकर महिलाओं और वंचित वर्ग के लोगों की ज़रूरतों को ध्यान में रखे।

- जीआरबी एक दृष्टिकोण है जो सरकार की योजनाओं और बजट प्रक्रियाओं में जेंडर समानता को एकीकृत करता है और विश्लेषण करता है कि बजट किस प्रकार जेंडर में समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा दे सकता है।

- जी.आर.बी का उद्देश्य सार्वजनिक खर्चों और आमदनी में जेंडर समानता और समानता के पहलुओं को सम्मिलित करके सार्वजनिक वित्त प्रबंधन की गुणवत्ता और दक्षता को बढ़ाना है

- जी.आर.बी का मतलब महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग बजट बनाना नहीं है, बल्कि, जी.आर.बी एक प्रक्रिया हैA इसके माध्यम से जेंडर समानता और महिला सशक्तिकरण की ओर, बजट के आवंटन में सुधार हेतु सरकार की नीतियों, योजनाओं, बजट और कार्यक्रमों में जेंडर आधारित विश्लेषण लाया जा सकता है।

- जी.आर.बी को विभिन्न तरीकों से कार्यान्वित किया जाता है, जो संदर्भ और उद्देश्यों के अनुसार भिन्न होते हैं।

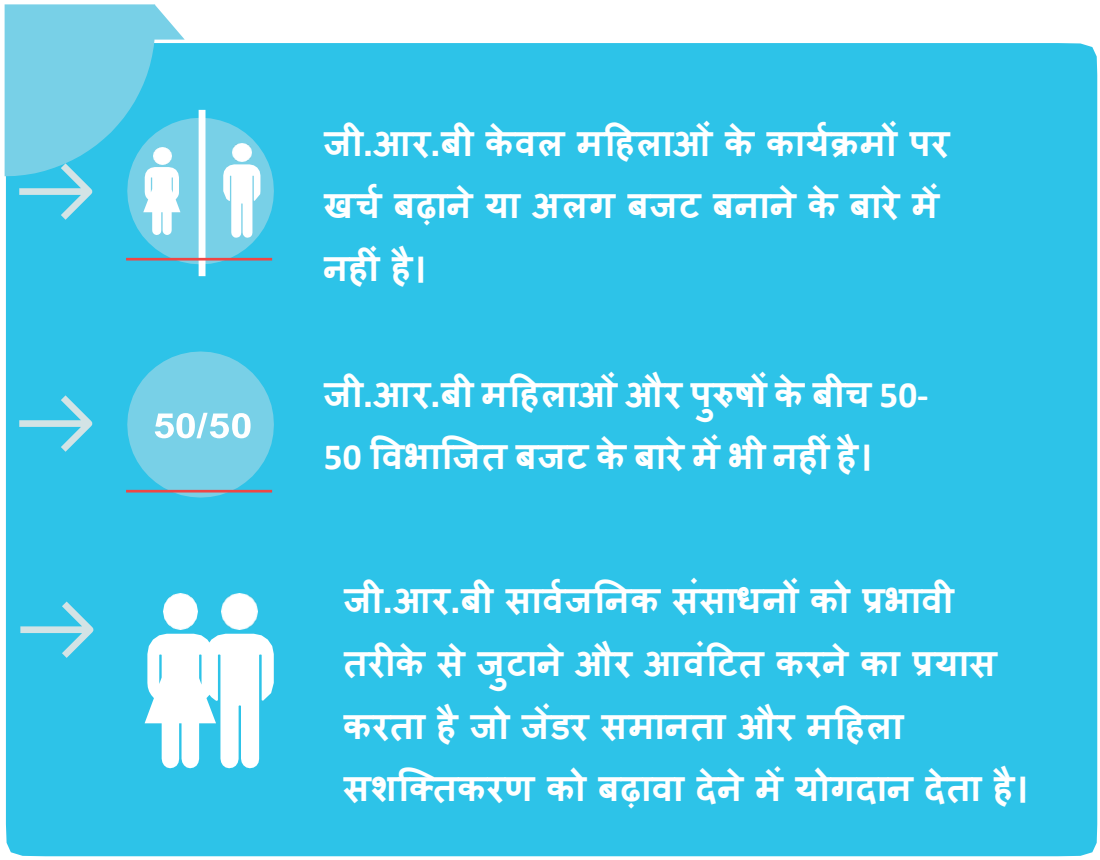

जी.आर.बी महिलाओं पर फोकस क्यों करता है?

दुनिया भर में, जेंडर बजटिंग महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करती है क्योंकि:

- विश्व में लगभग दो तिहाई निरक्षर लोग महिलाएं हैं;

- विकासशील देशों में, मातृ मृत्युदर आज भी प्रजनन आयु की महिलाओं के मृत्यु का एक प्रमुख कारण है;

- महिलाओं को सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में निर्णय लेने में कम प्रतिनिधित्व दिया जाता है, विशेष रूप से वरिष्ठ स्तरों पर;

- पुरुषों की तुलना में महिलाओं का 'आर्थिक' कार्य अभी भी बहुत अलग है। महिलाएं कम औपचारिक, असंगठित काम में लगी हुई हैं और समान काम के लिए पुरुषों की तुलना में कम वेतन प्राप्त कर रही है;

- महिलाएं बच्चों के पालन-पोषण और उनके, बुज़ुर्गों तथा अन्य बीमार जनों के देखभाल से सम्बंधित अधिकांश अवैतनिक कार्य भी करती हैं, जिससे वैतनिक कार्य के लिए समय एवं अवसर घाट जाते हैं और उन पर काम भी अधिक होता है ।

2 कभी-कभी जेंडर-बजटिंग शब्द सुनती हूं, क्या जेंडर-उत्तरदायी बजटिंग और जेंडर बजटिंग दोनों एक ही हैं?

हाँ, इन दोनों शब्दों का मतलब एक सा ही है। ये अलग-अलग शब्द हैं जो परस्पर परिवर्तन शील हैं। विभिन्न संस्थान अलग- अलग मामलों में इसे बदलकर इस्तेमाल करते है।

- जेंडर-उत्तरदायी बजटिंग जेंडर संवेदनशील बजटिंग समझने की समझ पर आधारित है। जब सरकार योजना या उसके परिणाम में जेंडर गैप को स्वीकार करती है और इसे दूर करने के लिए व्यावहारिक प्रयास करती है, तो यह प्रक्रिया जेंडर उत्तरदायी बजटिंग बन जाती है।
- इसलिए, यह कहा जा सकता है की जी.आर.बी जेंडर बजटिंग की ओर ले जाता है क्योंकि इसका तात्पर्य संवेदनशील और साथ ही परिवर्तनकारी सोच और दृष्टिकोण से है, जिससे की जेंडर समानता और महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

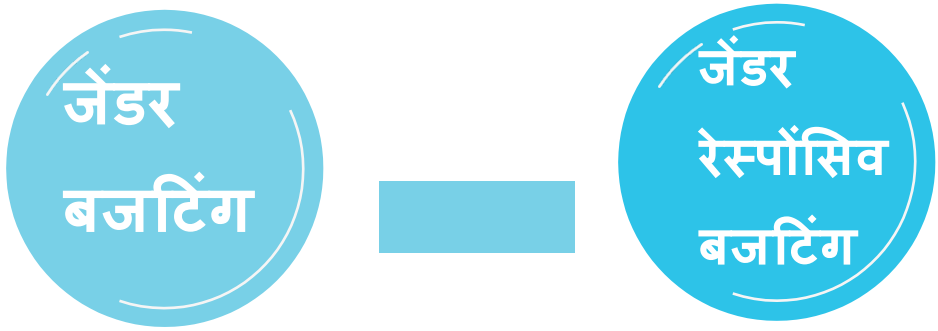

3 जी.आर.बी जेंडर समानता के उद्देश्य को हासिल करने में कैसे मदद कर सकता है?

कानून और अन्य व्यावहारिक नीतिगत उपायों के साथ-साथ जी.आर.बी जेंडर आधारित पूर्वाग्रह और भेदभाव को दूर कर सकता है।

यह न केवल महिलाओं के अधिकारों के प्रति जवाबदेही की दिशा में एक कदम है, बल्कि अधिक से अधिक सार्वजनिक पारदर्शिता के लिए भी अनिवार्य है।

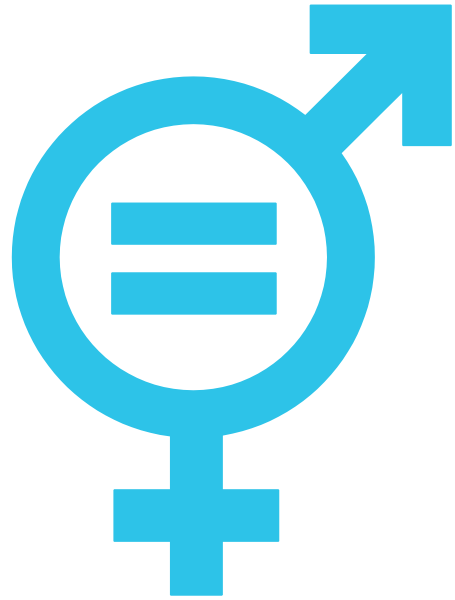

- जेंडर समानता और महिला सशक्तिकरण एक वैश्विक प्राथमिकता है। सतत विकास का लक्ष्य 5 "महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना" यह महिलाओं और लड़कियों के साथ भेदभाव के सभी रूपों को समाप्त करने का आह्वान करता है, यह जेंडर उत्तरदायी सार्वजनिक वित्त प्रणाली को महत्त्व देता है।

- कई देशों में जेंडर समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए नीतियां हैं, परन्तु इसके लिए संसाधनों में कमी देखी जाती है।

इसीलिए जी.आर.बी इस ओर ध्यान आकर्षित करते हुए जेंडर को योजना और बजट प्रक्रिया के मुख्यधारा में लाने की प्रक्रिया है, और यह करने के लये व्यावहारिक उपाय प्रदान करता है।

4 2030 तक मेरा राज्य एवं देश, सतत विकास एजेंडा और सतत विकास के लक्ष्यों की उपलब्धि के लिए सज्ज है। जीआरबी, एसडीजी की उपलब्धि को कैसे समर्थन कर सकता है??

- 2030 सतत विकास एजेंडा के लिए सदस्य राज्यों को जेंडर समानता हासिल करने और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध करता है। सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी) को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति की निगरानी के लिए, एस.डी.जी संकेतकों में 232 वैश्विक संकेतकों का एक सेट शामिल है, जिनमें से कई स्पष्ट रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से जेंडर समानता को दर्शाते है |

- 2030 एजेंडा का लक्ष्य 5.c सदस्य राज्यों से *"जेंडर समानता को बढ़ावा देने और सभी स्तरों पर सभी महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए ठोस नीतियों और साथ ही लागू करने योग्य कानूनों को अपनाने और मजबूत करने"* का आह्वान करता है। इस लक्ष्य की प्रगति को मापने का तरीका एसडीजी संकेतक 5.c.1 है *"जेंडर समानता एवं महिला सशक्तिकरण के सार्वजानिक आंवटन को ट्रैक करने और बनाने वाले देशों का अनुपात"* जो जीआरबी से जुड़ा हुआ है |

- इस संकेतक का लक्ष्य राष्ट्रीय सरकारों को उपयुक्त बजट ट्रैकिंग और निगरानी प्रणाली के विकास और निर्माण का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना है। जेंडर समानता के लिए आवंटन के बारे में जानकारी जनता के लिए आसानी से उपलब्ध है। ऐसा करने के लिए जी.आर.बी एक प्रभावी एवं महत्त्वपूर्ण तरीका है।

5. क्या जी.आर.बी पूरे बजट के लिए करना पड़ता है ?

जरूरी नही है । जी.आर.बी बजट प्रक्रिया के किसी भी चरण पर किया जा सकता है:

जी.आर.बी का अंतिम दृष्टिकोण सभी क्षेत्रों में और सभी स्तर पर महिलाओं व जेंडर समानता के लिए वित्तीय संसाधनों को उपलब्ध कराना है।

6. कौन शामिल है जी.आर.बी में ?

जी.आर.बी में स्टेक होल्डर्स की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, क्योंकि विभिन्न समूहों को बजट आवंटन प्रक्रिया में अपनी आवाज जोड़ने की जरूरत है और विभिन्न सरकारी अभिनेताओं को शामिल करने की आवश्यकता है। वे विभिन्न भूमिकाएँ निभाते हैं और विभिन्न गतिविधियाँ कर सकते हैं।

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय/ सामाजिक कल्याण विभाग
- वित्त मंत्रालय/ विभाग
- अन्य सभी क्षेत्र के मंत्रालय जैसे कृषि मंत्रालय, परिवहन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और पंचायती राज
- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक / स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग
- राज्य के विभाग, सरकारी निकाय एवं एजेंसियां
- जिला एवं ऊप जिला स्तर पर सांसद, बजट समिति के प्रतिनिधि जन
- लोक एवं सामाजिक संगठन तथा गैर सरकारी संस्थाएं
- शोध संस्थान
- विकास में सहयोगी एवं दानकर्त्ता

7 जी.आर.बी बहुत जटिल लगता है, इसे कैसे शुरू करें?

जी.आर.बी एक व्यवस्थित प्रक्रिया है और वास्तव में जटिल नहीं है। योजना बनाने और बजट बनाने की प्रक्रिया में कई सारे विषय हैं और कई ऐसे तरीके हैं जिनका उपयोग किया जा सकता है। सबसे आम दृष्टिकोण नीचे उल्लिखित है

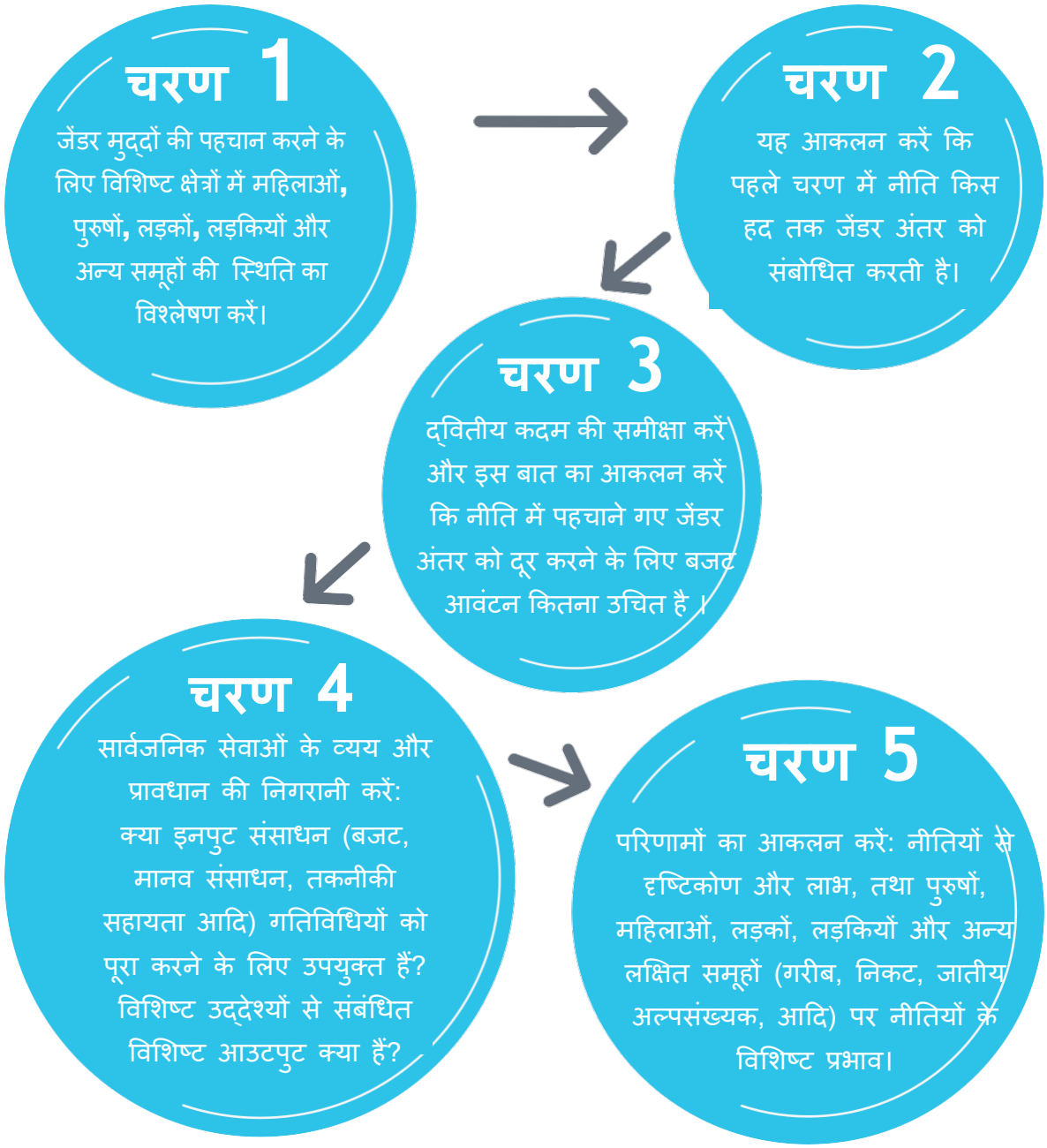

बजट के जेंडर-संवेदनशील विश्लेषण के लिए कुछ अनुकूलन के साथ उपयोग किए जा सकनवाले विभिन्न 'उपकरण' इस प्रकार हैं:

1

जेंडर-जागरूक नीति मूल्यांकन :

यह एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण है जिसमें विभिन्न विभागों और कार्यक्रमों की नीतियों की जांच करना शामिल है विशेषकर जेंडर से जुड़े मुद्दों पर | यह इस धारणा पर सवाल उठाता है कि नीतियां 'जेंडर-न्यूट्रल' है, और इसके बजाय इस बात पर जोर देती है की नीतियां और उनसे जुड़े संसाधनों का आवंटन किस प्रकार से जेंडर असमानता को कम करते हैं या बढ़ावा देते है |

2

जेंडर- आधारित लाभार्थी मूल्यांकन :

इस शोध तकनीक का उपयोग वास्तविक या संभावित लाभार्थियों से यह पूछने के लिए किया जाता है कि सरकारी नीतियां और कार्यक्रम इन लोगों की प्राथमिकताओं से किस हद तक मेल खाते हैं।

3

जेंडर- आधारित सार्वजनिक व्यय घटना विश्लेषण :

यह शोध तकनीक किसी दिए गए कार्यक्रम के लिए सार्वजनिक व्यय की तुलना करता है आमतौर पर घरेलू सर्वेक्षणों के आंकड़ों के साथ, महिलाओं और पुरुषों, लड़कियों और लड़कों, एवं अन्य जेंडर के बीच व्यय के वितरण को समझाने के लिए।

Adapted from Diane Elson (1997b), 'Tools for gender integration into macro- economic policy', Gender and Development, 2, Summer, p 13.

4

जेंडर-अलग टैक्स घटना विश्लेषण :

यह शोध तकनीक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के टैक्स की जांच करती है ताकि यह गणना की जा सके कि विभिन्न जेंडर के व्यक्तियों या परिवारों द्वारा कितना टैक्स चुकाया जाता है।

5

समय के सदुपयोग पर बजट के प्रभाव का "जेंडर-अलग" मूल्यांकन:

यह राष्ट्रीय बजट और घरों में समय का सदुपयोग करने के तरीके के बीच संबंध को दिखाते हुए यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं द्वारा अवैतनिक कार्यों में बिताए गए समय को नीति विश्लेषण में शामिल किया जाए ।

6

जेंडर- आधारित मध्यम अवधि का आर्थिक नीति तंत्र:

यह आर्थिक मॉडल में जेंडर को शामिल करने का प्रयास करता है जिस पर मध्यम अवधि के आर्थिक ढांचे आधारित हैं |

7

जेंडर-जागरूक बजट वक्तव्य:

इसमें एक जवाबदेही प्रक्रिया शामिल है जो उपरोक्त किसी भी उपकरण का उपयोग कर सकती है। सार्वजनिक क्षेत्र के लिए उच्च स्तर की प्रतिबद्धता एवं समन्वय की आवश्यकता होती है फिर चाहे वह मंत्रालय हो या विभाग अपने लाइन बजट के लिए जेंडर के प्रभाव का आंकलन करना होता है

8 | जेंडर रेस्पोंसिव बजट के लिए डेटा की आवश्यकता क्यों है ?

जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग डेटा पर बहुत अधिक निर्भर करता है, ताकि नीतियों, कार्यक्रमों और बजटों को मिथकों या मान्यताओं के आधार के बजाय तथ्यों पर प्रमाणित किया जा सके। बजट प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में जेंडर के आधार पर विभाजित डेटा की आवश्यकता होती है - योजना में, सेवा वितरण में और प्रभाव मूल्यांकन में ।

9 | जेंडर बजट स्टेटमेंट क्या है?

जेंडर बजट स्टेटमेंट (जी.बी.एस) एक जेंडर-विशिष्ट जवाबदेही दस्तावेज है जिसे वित्त मंत्रालय/ विभाग द्वारा सालाना पेश किया जाता है ताकि यह दिखाया जा सके कि जेंडर के संबंध में विभागों के कार्यक्रम और बजट क्या कर रहे हैं। जी.बी.एस एक जवाबदेही दस्तावेज है क्योंकि इसे मानक बजट दस्तावेजों के साथ संसद/राज्य विधानमंडल में पेश किया जाता है। यह एक रिपोर्टिंग तंत्र है जिसका उपयोग मंत्रालयों और विभागों द्वारा जेंडर लेंस से अपने कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए किया जाता है।

भारत सरकार का जी.बी.एस दो भागों में परिलक्षित होता है। भाग ए जिसमे जेंडर बजट विवरण में महिलाओं के लिए 100% आवंटन जैसी योजनाएँ शामिल हैं; भाग बी जिसमे महिलाओं के लिए कम से कम 30% से 99% आवंटन योजनाएं/कार्यक्रम शामिल हैं । जी.बी.एस भारत सरकार द्वारा पहली बार 2005-06 के बजट में पेश किया गया था ।

10 | इस साल का हमारा बजट पहले ही तैयार हो चुका है, क्या इसका मतलब यह है कि मैं जी.आर.बी नहीं कर सकती?

- जी.आर.बी के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कैसे एक उपलब्ध बजट ठीक से खर्च किया जाए जो जेंडर समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे।
- आपको सबसे अधिक लाभ प्राप्त करने और जेंडर समानता को आगे बढ़ाने के लिए अपने आवंटित बजट में प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। आप विश्लेषण कर सकते हैं कि क्या कार्यक्रम सीमित बजट के भीतर भी जेंडर समानता को आगे बढ़ाने के लिए इस्तेमाल हो सकता है या अधिक बजट की आवश्यकता होगी ।
- जी.आर.बी एक ऐसी प्रक्रिया है जो अनिवार्य रूप से अतिरिक्त बजटीय आवंटन का संकेत नहीं देती है। यह योजनाओं या कार्यक्रमों में बजट प्राथमिकता के औचित्य पर निर्भर करता है ताकि उन्हें अधिक जेंड र-उत्तरदायी बनाया जा सके।

11. जी.आर.बी किन क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है?

जी.आर.बी सभी क्षेत्रों और सभी स्तरों पर लागू किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। आम धारणा यह है कि जेंडर समानता केवल कुछ ख़ास सामाजिक क्षेत्रों से संबंधित है, परन्तु जी.आर.बी सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्रो में सामान रूप से क्रियान्वित किया जाना चाहिए ।

- जेंडर उत्तरदायी आधारिक संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) में कम निवेश के कारण महिलाओं के काम पाने की क्षमता, स्वतंत्र रूप से घूम, या सार्वजनिक सेवा का उपयोग करने जैसी ब ुनियादी अधिकारों पर बहुत ब ड़ा प्रभाव पड़ता है । यह महत्वपूर्ण है कि सभी क्षे त्रों में सक्षम रूप से जीआरबी को लागू किया जाए ताि क हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी, नेतृत्व और समान अवसर सुनि श्चित किये जा सकें ।

12. वित्त मंत्रालय/ विभाग जी.आर.बी को कैसे क्रियान्वितकर सकते है?

अंतर्राष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि वित्त मंत्रालय जी.आर.बी को विशेष रूप से बजट कॉल परिपत्र और जेंडर बजट स्टेटमेंट के माध्यम से, मार्गदर्शन और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये सरकारी जवाबदेही का उपयोगी तरीके हैं जो बजट निर्णय लेने की प्रक्रिया में जेंडर समानता सम्बंधित परिवर्तन की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

बजट कॉल सर्कुलर/ परिपत्र

बजट परिपत्र आमतौर पर बजट चक्र की शुरुआत में वित्त मंत्रालय / विभाग द्वारा जारी किए जाते हैं, जिसमें प्रशासनिक विभागों को बजट प्रस्ताव प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। सर्कुलर वि भागों और सरकारी इकाइयों को निर्देश देता है कि उन्हें आगामी वर्ष के लिए बजट अनुमान कैसे प्रस्तुत करनी चाहिए (कुछ देशों में नोटिस का दूसरा नाम हो सकता है, बजट दिशानिर्देश या ट्रेजरी दिशानिर्देश) । यह परिपत्र प्रत्येक एजेंसी को सूचित कर सकता है कि अगले वित्तीय वर्ष के लिए उनकी बजट "सीमा" क्या होनी चाहिए (संयुक्त राष्ट्र महिला 2015) । बजट परिपत्र में एक आवश यकता शामिल होनी चाहिए कि हर बजट प्रस्ताव में जेंडर सम्मिलित हो - बजट आवंटन के लिए और योजना के प्रगति सांके तिक केलिए जेंडर एक मानदंड हो । साथ ही इसकी प्रक्रिया एवं प्रारूप स्पष्ट किया जाना चाहिए

उदाहरण के लिए, सभी संकेतकों को जेंडर-विभाजित करने की आवश्यकता है और जेंडर-संबंधी संकेतकों को प्रासंगिक के रूप में बजट प्रस्ताव में शामिल किया जाना चाहिए।

14 | क्या है जेंडर बजट प्रकोष्ठ ?

जेंडर बजट प्रकोष्ठ सरकारी बजट में जेंडर-विश्लेषण के एकीकरण को सरल बनाने के लिए एक संस्थागत तंत्र है, जो की यह सुनिश्चित करता है कि सार्वजनिक संसाधनों को जेंडर असंतुलन से निपटने और जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय / विभाग के माध्यम से आवंटित और प्रबंधित किया जाता है।

एक वरिष्ठ अधिकारी की अध्यक्षता में जेंडर बजट प्रकोष्ठ वरिष्ठ/मध्य स्तर में योजना, निगरानी और मूल्यांकन से प्राप्त जानकारी, कार्यक्रम, बजट और लेखा प्रभाग मंत्रालय/ विभाग का एक एकजुट समूह शामिल है

जेंडर बजट प्रकोष्ठ मंत्रालय/विभाग द्वारा कार्यान्वित कार्यक्रमों और नीतियों में परिवर्तन को प्रभावी करने के लिए अपने लिए विशिष्ट लक्ष्य - त्रैमासिक/अर्धवार्षिक/वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर सकता है।

Towards a new dawn

UN WOMEN

ADB

JFPR
Japan Fund for Prosperous and Resilient Asia and the Pacific

From the People of Japan

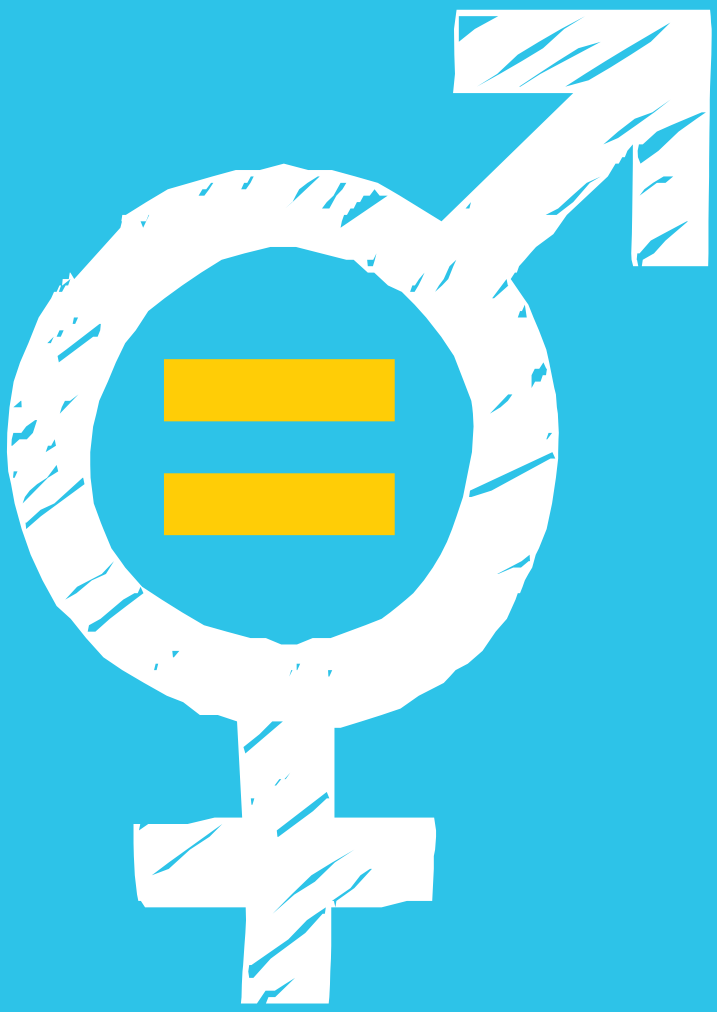

यू एन वीमेन इंडिया

यू एन हाउस, **55**, लोधी एस्टेट,
नई दिल्ली, दिल्ली
दूरभाष : 011 4653 2250
वेबसाईट: https://asiapacific.unwomen.org/en/countries/india